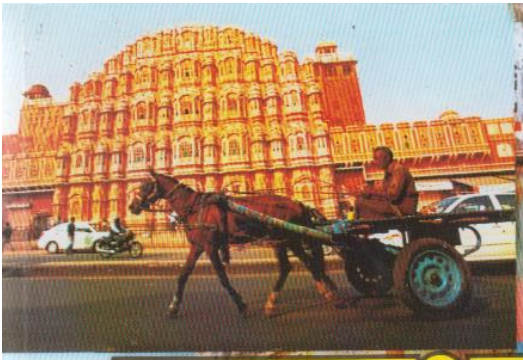

राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास

डॉ. गोपीनाथ शर्मा

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग)
भारत सरकार

॥ राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी ॥

विषय-सूची

पृष्ठ सं.

- **प्रकाशकीय भूमिका**
- **प्राक्कथन**

1. **राजस्थान की भौगोलिक स्थिति और उसका यहाँ की संस्कृति पर प्रभाव** 1-14

   नाम—स्थान और क्षेत्रफल—भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में राजस्थान—झीलें—वन, पशु तथा उपज—वर्षा तथा जलवायु—भौगोलिक स्थिति और संस्कृति पर प्रभाव—भारतीय एवं राजस्थानी संस्कृति की मौलिक एकता।

2. **प्रागैतिहासिक राजस्थान और संस्कृति का प्रारूप** 15-31

   प्राचीन प्रस्तर युग की संस्कृति—नवीन पाषाण युग—राजस्थान में धातु-युग का प्रारम्भ—सरस्वती-दृषद्वती सभ्यता : कालीबंगा-बनास सभ्यता : आहड़—ताम्रयुगीय राजस्थान के अन्य केन्द्र।

3. **राजस्थान के राजनीतिक और सांस्कृतिक सोपान** 32-58

   आर्य और राजस्थान के मौलिक सांस्कृतिक संस्पर्श—महाकाव्य काल और राजस्थान—प्राक् बौद्ध युग से वर्धनकाल का राजस्थान (सातवीं सदी ई.पू. से सातवीं सदी ई.)—जनपदों का युग—मौर्य और राजस्थान—गुप्त और वर्धन वंशों के समय का राजस्थान—प्रतिहार वंश-परमार वंश-सोलंकी वंश-चावडा वंश—चाहमान वंश : शाकम्भरी के चौहान—रणथम्भौर के चौहान—जालौर के चौहान—गुहिल वंश—हाड़ौती के चौहान—राठौड़ वंश—कछवाह वंश—भाटी वंश—राजनीतिक स्थिति का संस्कृति पर प्रभाव।

4. **सामाजिक संस्थाएँ और संस्कृति** 59-79

   वर्ण व्यवस्था—जाति व्यवस्था—आश्रम व्यवस्था—संस्कार—सती प्रथा—जौहर—लोकोत्सव—गणगौर-तीज-होली-दशहरा दीपावली—अन्य उत्सव—सांस्कृतिक मेले—परिवार और नारी।

5. **राजस्थानी रहन-सहन, मनोरंजन और संस्कृति** 80-99
भोजन—परिधान पुरुष परिधान—स्त्री परिधान—केश-विन्यास—स्त्री आभूषण—आमोद-प्रमोद।

6. **राजस्थान में विविध धर्म और संस्कृतियाँ** 100-122
धार्मिक संस्कारों का श्रीगणेश—वैदिक धर्म की निरंतरता—शैव धर्म—शाक्त सम्प्रदाय—वैष्णव धर्म—प्राचीनकालीन धार्मिक सुधारण—बौद्ध धर्म—जैन धर्म—इस्लाम—धार्मिक सुधार और भक्ति-प्रवाह—लोकदेव : गोगाजी-तेजाजी-जाम्भोजी—रैदास—मीराबाई—दादू—रामचरणजी—समीक्षा।

7. **शिक्षा और साहित्य** 123-145
घरेलू शिक्षा—गुरुकुल—अन्य शिक्षा के केन्द्र—विद्याध्ययन की परिपाटी—स्त्री शिक्षा—साहित्य सृजन—संस्कृत साहित्य : मेवाड़—पश्चिमी राजस्थान का अंचल—मारवाड़-जांगल—हाड़ौती-जयपुर-बागड़—राजस्थानी साहित्य—जैन शैली का साहित्य—चारण साहित्य—सन्त साहित्य—समीक्षा।

8. **राजस्थान का स्थापत्य और संस्कृति** 146-169
बस्तियाँ और स्थापत्य—किलों का स्थापत्य—राजप्रासाद और स्थापत्य—मन्दिरों का निर्माण और स्थापत्य।

9. **मूर्ति-कला और संस्कृति** 170-185
प्राचीन मूर्तिकला—गुप्तकालीन मूर्तिकला—मध्ययुगीय मूर्तिकला—नारी अंकन और मूर्तिकला—राजस्थानी मूर्तिकला की विशेषताएँ।

10. **चित्रकला और राजस्थान** 186-208
राजस्थानी चित्रकला का स्वरूप—मेवाड़ शैली—मारवाड़ शैली—बीकानेर शैली—बूँदी शैली—किशनगढ़ शैली—जयपुर तथा अलवर शैली—नाथद्वारा की चित्रकला—समीक्षा।

11. **लोक संस्कृति** 209-223
लोकनाट्य—लीलाएँ—रम्मत—ख्याल—भवाई—गवरी—गेर—महिला नृत्य—गरबा—लोकगीत—लोकवाद्य।

12. **उपसंहार** 224-239

- **सहायक सामग्री व ग्रन्थों की सूची** 240-245

❑❑❑